सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 350 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 27 जनवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

एक बड़े पहाड़ पर चढ़ने के बाद यही पता चलता है कि अभी ऐसे कई पहाड़ चढ़ने के लिए बाकी हैं।

-नेल्सन मंडेला

सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां... 7 | उत्तराखंड के रण में हरीश रावत... 3 | वेस्ट यूपी में जाटों पर डोरे... 2

प्रयागराज में छात्रों की बेरहमी से पिटाई पर बिफरा विपक्ष, कहा

रोजगार मांग रहे युवाओं का दमन कर रही सरकार

» रेलवे भर्ती परीक्षा में धांधली को लेकर प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर पुलिस ने किया था लाठीचार्ज

» हॉस्टल में घुसकर पीटा, दर्जनों छात्र चोटिल, गिरफ्तार, हाईकोर्ट तक पहुंचा मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज में रेलवे की एनटीपीसी भर्ती परीक्षा परिणाम में धांधली का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज मामले ने तूल पकड़ लिया है। विपक्ष ने इस मामले पर प्रदेश व केन्द्र सरकार पर निशाना साधा है वहीं पुलिसिया दमन का मामला हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। विपक्ष ने कहा कि सरकार रोजगार का अपना हक मांग रहे छात्रों का दमन कर रही है। युवा चुनाव में भाजपा को सफाया कर देंगे।

रेलवे की एनटीपीसी (नान टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी) भर्ती परीक्षा के परिणाम में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए छात्र अभ्यर्थियों ने मंगलवार को जुलूस निकालने के साथ प्रयाग स्टेशन पर ट्रेन रोक दी थी। इस पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और उनकी घेराबंदी की। इस पर प्रदर्शनकारी छात्र लॉज व हॉस्टल में घुस गए जहां पुलिस ने दरवाजे तोड़कर उनकी पिटाई की। इसमें कई छात्रों को चोटें पहुंची हैं और दर्जनों छात्रों को गिरफ्तार किया गया। रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड के परिणाम में अनियमितता का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थी लंबे समय से आंदोलनरत हैं। इस मामले को लेकर सपा और कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। विपक्ष ने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की निंदा करते हुए इसे रोजगार की मांग कर रहे युवाओं का दमन करार दिया है। साथ ही गिरफ्तार छात्रों को रिहा करने की मांग की है। वहीं इलाहाबाद हाईकोर्ट के पांच वकीलों ने एक लेटर पेटीशन दाखिल कर प्रयागराज के बघाड़ा में हॉस्टल और लॉज में घुसकर पुलिस द्वारा छात्रों की लाठियों से बेरहमी से पिटाई मामले की न्यायिक जांच और दोषी पुलिसवालों के खिलाफ कारवाई की मांग की है। यह पिटीशन अधिवक्ता शैलजाकांत त्रिपाठी, एपी पाल, पीके जैसवार और दो अन्य वकीलों की तरफ से दाखिल की गई है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

क्या कहा गया है याचिका में

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पुलिस ने छात्रों के साथ बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की है। पुलिसिया कार्रवाई में लगभग 90 छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। लगभग 200 छात्र घायल हुए हैं और 30 गंभीर रूप से चोटिल हैं। गौरतलब है कि पुलिस के प्रयाग स्टेशन के निकट हॉस्टलों और प्राइवेट लॉज में घुसकर छात्रों की बर्बरतापूर्वक पिटाई के कई वीडियो भी वायरल हो रहे हैं।

छह पुलिसकर्मी निलंबित

प्रयागराज। अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज करने के मामले में एसएसपी ने छह पुलिसकर्मियों को निलंबित करते हुए उनके खिलाफ विभागीय जांच बैठा दी है। इंस्पेक्टर राकेश भारती, एसआई शैलेंद्र यादव, एसआई कपिल कुमार चहल, आरक्षी मोहम्मद आरिफ, आरक्षी अच्छे लाल और आरक्षी दुर्वेश कुमार को निलंबित किया गया है।

समर्थन में उतरी कांग्रेस

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रेलवे भर्ती बोर्ड की ओर से आयोजित परीक्षा की प्रक्रिया का विरोध कर रहे युवाओं का समर्थन करते हुए कहा कि अधिकारों के लिए आवाज उठाने को हर नौजवान स्वतंत्र है। उन्होंने बिहार में एक ट्रेन रोककर राष्ट्रगान गा रहे युवाओं का एक वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, 'अधिकारों के लिए आवाज उठाने को हर नौजवान स्वतंत्र है, जो भूल गए हैं, उन्हें याद दिला दो कि भारत लोकतंत्र है, गणतंत्र था, गणतंत्र है!'

“ इलाहाबाद में अपने रोजगार के लिए हक की आवाज बुलंद करने वाले बेगुनाह छात्रों पर पुलिस द्वारा हिंसक प्रहार शर्मनाक एवं घोर निंदनीय है। भाजपा सरकार में छात्रों के साथ जो दुर्व्यवहार हुआ है, वह भाजपा के ऐतिहासिक पतन का कारण बनेगा। सपा संघर्षशील छात्रों के साथ है।

अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

“ प्रयागराज के उन इलाकों में जहां हजारों की संख्या में छात्र रहते हैं, वहां जाकर सभी छात्रों को ब्रीफ किया गया है। सभी मामलों में निष्पक्ष कार्यवाही का भरोसा दिया गया। यह भी कहा गया है कि छात्र शरारती और खुराफाती तत्वों के बहकावे में कतई न आएं। शरारती तत्वों पर पुलिस कठोर कार्यवाही कर रही है। छात्र कानून को अपने हाथ में न लें। पुलिस उनकी मदद और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। जिन कर्मियों ने गलती की थी उन्हें निलम्बित कर उनके खिलाफ कठोरतम विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

अजय कुमार, एसएसपी, प्रयागराज

“ रेलवे एनटीपीसी व ग्रुप डी परीक्षा से जुड़े युवाओं के दमन की जितनी निंदा की जाए, कम है। सरकार तुरंत दोनों परीक्षाओं से जुड़े युवाओं से बात करके उनकी समस्याओं का हल निकाले। छात्रों के हॉस्टलों में घुसकर तोड़-फोड़ और सर्च की कार्रवाई पर रोक लगाए। गिरफ्तार किए गए छात्रों को रिहा किया जाए। विरोध प्रदर्शन करने के चलते उनको नौकरी से प्रतिबंधित करने वाला आदेश वापस लिया जाए।

प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव

“ गुंडागर्दी चरम पर, आखिर पुलिस को ऐसा आतंक मचाने का अधिकार किसने दिया? ओह, राज तो अभी भी आदित्यनाथ जी का है।

संजय सिंह, आप सांसद

सियासी समीकरण साधने मथुरा पहुंचे शाह, किया जनसंपर्क

» वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में की पूजा अर्चना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मोर्चा संभाल लिया है। सियासी समीकरण साधने के लिए वे लगातार प्रदेश के जिलों का दौरा कर रहे हैं। पश्चिमी यूपी के कैराना के बाद आज वे मथुरा पहुंचे। उन्होंने वृंदावन स्थित बांकेबिहारी मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके बाद मथुरा में मतदाताओं से बातचीत की।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह पवनहंस हैलीपैड पर उतरे और सीधे वृंदावन में बांकेबिहारी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। मथुरा में गोवर्धन रोड स्थित श्रीजी बाबा विद्या मंदिर में प्रभावी मतदाताओं के साथ संवाद किया। शाह ने कहा कि पिछली सरकारों ने कभी भी यूपी का संपूर्ण विकास का नक्शा नहीं खींचा। मोदी के पीएम बनने के बाद योगी सरकार ने सबका साथ-सबका विकास किया। भाजपा सरकार किसी एक जाति की नहीं है। राजनीति के अंदर जातिवाद-परिवारवाद नहीं होना चाहिए। भाजपा के लिए मथुरा की सीट बहुत मायने रखती है। यहां से ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा को फिर से टिकट दिया गया है। शाह आज गोवर्धन के गांव सतोहा में घर-घर जनसंपर्क भी करेंगे।

वेस्ट यूपी में जाटों पर डोरे डालने में जुटे भाजपा के दिग्गज

» अमित शाह ने जाट नेताओं के साथ की लंबी बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गणतंत्र दिवस के मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिमी यूपी की राजनीति को लेकर लंबी बैठक की। शाह भाजपा सांसद परवेश साहब सिंह वर्मा के आवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सभी से बातचीत की। अमित शाह ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा के जाट नेताओं से मुलाकात की। शाह ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पहले चरण की वोटिंग से पहले जाटों की नाराजगी दूर करने की कोशिश की।

जाटों पर डोरे डालने के लिए उनसे माफी मांगने की अपील भी की। उधर, यूपी के जाट नेताओं के साथ अमित शाह की बैठक के बाद भाजपा सांसद परवेश वर्मा ने कहा कि हम रालोद प्रमुख जयंत चौधरी का अपने घर (भाजपा) में स्वागत करना चाहते थे, लेकिन उन्होंने गलत रास्ता चुना है। जाट समुदाय के लोग उनसे बात करेंगे। हमारे दरवाजे उनके लिए हमेशा खुले हैं। यह बात तय है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। कहा जा रहा है कि बैठक के दौरान शाह ने जाट नेताओं से कहा है कि वोट गलत जगह मत दें। बेशक हमें डांट लें। उन्होंने जाट नेताओं से कहा कि आप भी देश और किसानों के बारे में सोचते हैं और भारतीय जानता पार्टी भी। वहीं बुलंदशहर के जाट नेता नरेंद्र सरोही का कहना है कि शाह से मुलाकात के दौरान उन्होंने चौधरी चरण सिंह के लिए भारत रत्न की मांग की है। साथ ही जाट समुदाय के लिए आरक्षण की भी बात कही है। सरोही के मुताबिक इन दोनों बिंदुओं पर गृह मंत्री की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

मुझे आमंत्रित न करें : जयंत चौधरी

यूपी में रालोद के साथ संभावित गठबंधन के सांसद परवेश वर्मा के बयान पर रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने ट्वीट किया। जिसमें उन्होंने लिखा कि मुझे आमंत्रित न करें। उन 700 से अधिक किसानों को आमंत्रित करें, जिनके घर आपने तबाह कर दिए थे। जयंत का इशारा उन किसान परिवारों की ओर है जिनके अपने किसान आंदोलन के दौरान मारे गए। जयंत चौधरी की अगुआई वाली पार्टी रालोद ने इस बार समाजवादी पार्टी से गठबंधन किया है।

बसपा को झटका, कई पदाधिकारियों ने छोड़ी पार्टी

» टिकट वितरण में अनदेखी को बताया जा रही वजह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। बसपा को यूपी विधानसभा चुनाव से पहले अमरोहा से तगड़ा झटका लगा है। पार्टी के कई पदाधिकारियों समेत दर्जनों समर्थकों ने बसपा को अलविदा कह दिया है। दूसरी किस पार्टी में ये सभी शामिल होंगे, अभी इस पर फैसला नहीं लिया गया है। पार्टी छोड़ने की वजह टिकट वितरण में उनकी अनदेखी बताई गई है। हसनपुर विधानसभा क्षेत्र से टिकट घोषित करने में पार्टी संगठन द्वारा अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए जिला उपाध्यक्ष, जिला प्रभारी एवं नगर अध्यक्ष समेत दर्जनों पदाधिकारियों ने बसपा से इस्तीफा दे दिया है।

बसपा छोड़ने वालों में जिला उपाध्यक्ष हाफिज नूर मुहम्मद, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शाहनवाज चौधरी, नगर अध्यक्ष चमन अंसारी, जिला प्रभारी नवाब सैफी, प्रधान बांसका कला कारी जुनैद आलम, पूर्व नगर अध्यक्ष एवम सभासद याकूब अंसारी, सेक्टर अध्यक्ष अजयपाल जाटव, सेक्टर अध्यक्ष दिनेश जाटव समेत दो दर्जन से अधिक पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हैं। जिला उपाध्यक्ष हाफिज नूर मुहम्मद ने बताया कि हसनपुर विधानसभा क्षेत्र में संगठन के पदाधिकारी शाहनवाज चौधरी को टिकट देने की मांग कर रहे थे। उन्हें टिकट देने से बसपा की जीत का समीकरण मजबूत होने के बावजूद पार्टी हाईकमान द्वारा शाहनवाज चौधरी को टिकट न देकर फिरे सिंह गुर्जर को सिंबल दिया गया है। करीब 28 हजार मतदाताओं वाले गुर्जर समाज के सपा और बसपा से दो प्रत्याशी हो गए हैं जबकि 115000 वोट होने के बावजूद मुस्लिम समाज के शाहनवाज चौधरी को टिकट न देकर संगठन के पदाधिकारियों की आवाज को दबाने का काम किया गया है।

लखनऊ कैंट बीजेपी के लिए बड़ा सिरदर्द, टिकट को लेकर फंसा पेंच

» मौजूदा विधायक ने कहा- अपर्णा यादव को नहीं मुझे मिलेगा टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के लिए लखनऊ कैंट सीट सिरदर्द बन चुका है। एक तरफ सांसद रीता बहुगुणा जोशी अपने बेटे के लिए यह सीट मांग रही हैं तो हाल ही में पार्टी में आईं मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव के भी इस सीट पर दावेदारी की चर्चा है। वहीं, बीजेपी के मौजूदा विधायक सुरेश चंद्र तिवारी ने भी साफ कर दिया है कि वह एक बार फिर इस सीट से लड़ना चाहते हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि अपर्णा यादव और रीता बहुगुणा जोशी के बेटे को टिकट नहीं मिलेगा। सुरेश चंद्र तिवारी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने पहले ही साफ कर दिया है कि किसी मौजूदा विधायक या सांसद के बेटे-बेटी को टिकट नहीं मिलेगा। इसलिए जोशी के बेटे को टिकट मिलने का कोई चांस ही नहीं है। अपर्णा यादव की दावेदारी पर उनका मानना है कि मुलायम की बहू को किसी सीट से टिकट नहीं मिलेगा और पार्टी उनका इस्तेमाल पूर्व प्रदेश में प्रचार के लिए करेगी।

डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा नहीं लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गोरखपुर और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को सिराथू से टिकट देकर चुनाव में उतार चुकी है। दूसरे उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा और यूपी बीजेपी चीफ स्वतंत्र देव सिंह के भी चुनाव लड़ने की अटकलें थीं, अब बीजेपी में इस बात को लेकर मंथन चल रहा है कि इन्हें भी चुनाव लड़वाया जाए या सिर्फ प्रचार पर फोकस करने के लिए कहा जाए। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में इस बात को लेकर चर्चा हुई है। बैठक में यह राय बनी कि दोनों नेताओं को चुनाव प्रचार पर फोकस करने दिया जाए। दोनों ही नेता 300+ लक्ष्य को पाने के लिए फोकस करेंगे। समिति का मानना है कि प्रचार-प्रसार की बागडोर इन दो नेताओं के पास है, इसलिए इन्हें किसी सीट से लड़वाने पर इनका ध्यान बंटेगा। नई दिल्ली में सीईसी में हुई बैठक में हुई चर्चा के बारे में सूत्रों ने बताया कि दिनेश शर्मा और स्वतंत्र देव सिंह को लेकर पार्टी दुविधा में थी। इसलिए पहली ही सूची में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केशव प्रसाद मौर्य के नाम का तो ऐलान कर दिया गया, लेकिन इन दोनों को अभी तक कहीं से टिकट नहीं दिया गया है।

उत्तराखंड में हरीश रावत की सीट बदली

» अब रामनगर नहीं लाल कुआं से लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में कांग्रेस में जारी बगावत और असंतोष के परिणाम आने लगे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता हरीश रावत की सीट बदल गई है। कांग्रेस ने पांच सीटों पर टिकट बदल दिए हैं। डोईवाला से मोहित उनियाल का टिकट कटा। गौरव चौधरी को मिला। चौबट्टाखाल से केसर सिंह नेगी। नरेंद्र नगर से ओम गोपाल रावत और ज्वालापुर से बरखारानी का टिकट बदल कर रवि बहादुर को दिया।

टिहरी पर अब भी सस्पेंस बना हुआ है। कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष हरीश रावत लाल कुआं से, पूर्व विधायक रणजीत रावत सल्ट से, महेश शर्मा कालाढूंगी से और पूर्व सांसद महेंद्र पाल रामनगर से उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे। उन्होंने बताया कि यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है। रामनगर विधानसभा सीट पर हरीश रावत के कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर घोषित किए जाने के बाद ही इस सीट पर बगावत होने लगी थी। बता दें कि टिकटों में बदलाव को लेकर पार्टी में परिवारवाद की बात भी उठने लगी है। हरीश रावत, हरक सिंह रावत, यशपाल आर्य, स्व. इन्दिरह रदेश और संसद केसी सिंह बाबा के परिवार के सदस्यों को टिकट मिला है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

प्रदेश भर में युवा संसद का आयोजन करेगी कांग्रेस

कल आगरा में संवाद करेंगे भूपेश बघेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव आयोग द्वारा रोड शो और रैलियों पर लगाए गये प्रतिबंधों को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश भर में 'युवा संसद' आयोजित करने का फैसला किया है। इस कार्यक्रम में पार्टी की ओर से घोषित 'भर्ती विधान युवा घोषणा पत्र' के बारे में युवाओं से चर्चा की जाएगी, ताकि उन्हें जागरूक किया जा सके। युवा संसद में युवाओं को कांग्रेस पार्टी के नेता व पदाधिकारी प्रतिज्ञा पत्र, भर्ती विधान समेत अन्य की भी जानकारी दी जाएगी।

पार्टी के प्रदेश महासचिव (संगठन) दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि युवा संसद के लिए तैयार कार्यक्रम के मुताबिक 28 जनवरी को आगरा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, 29 जनवरी को प्रयागराज और 30 जनवरी को वाराणसी में हार्दिक पटेल, 31 जनवरी को मेरठ में अलका लांबा, एक फरवरी को लखनऊ में कन्हैया कुमार और तीन फरवरी को कानपुर में इमरान प्रतापगढ़ी युवाओं से चर्चा करेंगे। इन कार्यक्रमों में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास और एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन उपस्थित रहेंगे।

कांग्रेस ने जारी की प्रत्याशियों की तीसरी सूची

» बेहट से पूनम और बिजनौर से अकबरी बेगम को टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस ने यूपी विधान सभा चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों की तीसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में 89 सीटों पर प्रत्याशियों को घोषित कर दिया गया है। इस सूची में 37 महिलाओं को टिकट दी है। कांग्रेस ने बेहट विधानसभा सीट से पूनम कंबोज को प्रत्याशी बनाया है। बिजनौर से अकबरी बेगम को उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले 20 जनवरी को कांग्रेस ने यूपी चुनाव के लिए 41 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की थी, जिसमें 16 महिलाओं को प्रत्याशी बनाया गया था। दूसरी सूची में अलीगढ़ जिले की इगलास, खैर व छर्रा सीट पर प्रत्याशी घोषित किए गए थे। छर्रा से अखिलेश शर्मा, खैर से मोनिका सूर्यवंशी, इगलास से प्रीति धनगर को प्रत्याशी बनाया गया था। अलीगढ़ जिले से दो महिलाओं को उतारा गया है। पहली सूची में 125 उम्मीदवार थे, जिनमें से 50 महिलाओं को टिकट दिया गया था।

उत्तराखंड के रण में हरीश रावत की अहमियत का फायदा उठाएगी कांग्रेस

» रामनगर से ताल ठोक रहे हैं पूर्व मुख्यमंत्री

» प्रदेश में उनके जितना सियासी अनुभव वाला कोई नेता कांग्रेस के पास नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। चुनाव चरम पर है। हर दल अपनी सरकार बनाने का दावा कर रहा हैं। उत्तराखंड विधान सभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अब तक 75 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। पहली लिस्ट से आउट रहे कांग्रेस के दिग्गज नेता हरीश रावत को दूसरी लिस्ट में जगह मिल गई है। उन्हें पार्टी ने रामनगर विधान सभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले तक हरीश रावत को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। सीएम चेहरे को लेकर उन्होंने खुद बगावती तेवर अपना लिया था। बाद में हरीश रावत ने चुनाव न लड़ने के भी संकेत दिए थे। हरीश रावत ने गेंद पार्टी के पाले में ही रखी थी और ये भी कहते हुए देखे गए कि वे चुनाव लड़ाने की हैसियत रखते हैं।

दरअसल, उत्तराखंड के रण में हरीश रावत की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि वे कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं। फिलहाल प्रदेश में उनके जितना सियासी अनुभव वाला कोई नेता कांग्रेस के पास नहीं है। तीन बार मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष रहे हरीश रावत उत्तराखंड में कांग्रेस की रीढ़ माने जाते हैं। उनके बाद पार्टी में किसी के नाम की चर्चा चलती है तो वह हैं प्रीतम सिंह। वो भी सीएम फेस बनने की होड़ में लगे हैं, लेकिन हरीश रावत से अभी पीछे हैं। वहीं, हाल ही में बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में आए हरक सिंह रावत की भूमिका अभी तय नहीं हो पाई है। हरीश रावत ने अपनी राजनीति की शुरुआत ब्लॉक स्तर से की और बाद में युवा कांग्रेस के साथ जुड़ गए। 1973 में कांग्रेस की जिला युवा इकाई के प्रमुख चुने जाने वाले वो सबसे कम उम्र के युवा थे। उन्होंने अल्मोड़ा के भिकियासैंण और सल्ट में राजनीति को करीब से देखा। हरीश रावत पहली बार 1980 में केंद्र की राजनीति में शामिल हुए। 1980 में वो अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ लोक सभा क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर सांसद चुने गए। उन्हें केंद्र में श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री बनाया गया। उसके बाद 1984 व 1989 में भी उन्होंने संसद में इसी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। 2001 में उन्हें उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया। 2002 में वो राज्यसभा के लिए चुन लिए गए।

रावत की अगुवाई में ही कांग्रेस सत्ता में आई पर सीएम बने एनडी तिवारी

उत्तराखंड राज्य की स्थापना 9 नवंबर 2000 को हुई थी। प्रदेश को नित्यानंद स्वामी और भगत सिंह कोश्यारी के रूप में भाजपा ने अंतरिम सरकार में मुख्यमंत्री दिए। राज्य निर्माण के बाद हरीश रावत प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष बनाए गए और उनकी अगुवाई में 2002 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को बहुमत प्राप्त हुआ और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी। नारायण दत्त तिवारी के मुकाबले मुख्यमंत्री पद की दावेदारी से बाहर होने के बाद उसी साल नवंबर में रावत को उत्तराखंड से राज्यसभा के सदस्य के रूप में भेजा दिया गया था।

संगठन पर सवाल उठाया, फिर भी बने हुए हैं जरूरत

चुनावी सरगर्मी के बीच दिसंबर में दिग्गज नेता हरीश रावत ने नाराजगी में कांग्रेस संगठन पर ही सवाल खड़े कर दिए थे। उन्होंने सियासी मैदान छोड़कर विश्राम करने तक के संकेत दे दिए थे। हरीश रावत ने ट्वीट करके कहा था- है न अजीब सी बात, चुनाव रूपी समुद्र को तैरना है, सहयोग के लिए संगठन का ढांचा अधिकांश स्थानों पर सहयोग का हाथ आगे बढ़ाने के बजाय या तो मुंह फेर करके खड़ा हो जा रहा है या नकारात्मक भूमिका निभा रहा है... उनके इस ट्वीट के बाद दिल्ली तक में हलचल बढ़ गई थी। हालांकि बाद में सारे चीजें मैनेज हो गईं और पार्टी ने ऐलान किया उत्तराखंड में कांग्रेस हरीश रावत की अगुवाई में चुनाव लड़ेगी।

लोक सभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद फिर की वापसी

2019 के चुनाव में राजनीतिक जानकारों ने उत्तराखंड की जिस अकेली सीट पर कांग्रेस की जीत का अनुमान लगा रहे थे उसमें कांग्रेस की सबसे बड़ी हार हुई। पार्टी के सबसे बड़े नेता हरीश रावत को नैनीताल सीट पर तीन लाख 39 हजार से भी ज्यादा मतों से हार का सामना करना पड़ा। रावत के राजनीतिक करियर की ये अब तक की सबसे बड़ी हार थी और इस चुनाव में उत्तराखंड की पांचों सीटों पर वो सबसे ज्यादा अंतर से पराजित हुए।

2012 में सीएम की रेस में थे लेकिन आलाकमान ने नकारा

2012 में कांग्रेस के प्रदेश में एक बार फिर सत्ता में आने के बाद उनका नाम मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे चलता रहा, लेकिन इस बार भी पार्टी आलाकमान ने उनकी दावेदारी को नकार दिया और उनकी जगह विजय बहुगुणा को तरजीह दी गई। बहुगुणा के सत्ता संभालने के बाद से लगातार प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें चलती रहीं। जून-2013 में आई प्राकृतिक आपदा से निपटने में राज्य सरकार की कथित नाकामी के आरोपों के चलते उनको हटाकर हरीश रावत को मुख्यमंत्री की कमान सौंपी गई। हरीश रावत उत्तराखंड के 7वें मुख्यमंत्री रहे। उनके कार्यकाल में बाधाएं आती रहीं। वो तीन बार मुख्यमंत्री बने, लेकिन कभी भी पूरे पांच साल के लिए नहीं।

अब भाजपा के पक्ष में सियासी माहौल बनाने में जुटा भाजयुमो, युवाओं पर खास नजर

» हर वार्ड में कम से कम 150 नौजवानों से संपर्क करने की रणनीति

» बनायी जाएगी 20-20 की टोलियां, पोस्टर के जरिए बताएंगे सरकार की योजनाएं

» भाजपा ने भी हर विधान सभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं को दिया लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जैसे-जैसे यूपी विधान सभा चुनाव के मतदान की तारीखें नजदीक आती जा रही हैं प्रदेश का सियासी पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। प्रदेश में सत्ता बरकरार रखने के लिए भाजपा ने पूरी तरह कमर कस ली है। वहीं इसके अन्य संगठन भी भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने में जुट गए है। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने कमान संभाल ली है और उसके पदाधिकारी हर वार्ड में प्रचार करेंगे। इनकी विशेष नजर युवा वोटरों पर है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारी प्रदेश के हर शहर के हर वार्ड जाकर भाजपा का प्रचार करेंगे। इसके तहत हर वार्ड में वे कम से कम 150 युवाओं से संपर्क साधेंगे। साथ ही प्रत्येक बूथ पर 20-20 की टोलियां बनाकर जनसंपर्क के लिए घर-घर जाएंगे। शहर के प्रमुख चौराहों पर कार्यकर्ता सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को पोस्टर के माध्यम से बताएंगे। गोरखपुर समेत कई शहरों में भाजयुमो के पदाधिकारियों ने बैठक कर यह रणनीति बनायी है। गोरखपुर में भाजयुमो ने प्रचार अभियान शुरू भी कर दिया है। भाजयुमो का मानना है कि इस चुनाव में युवाओं की विशेष भूमिका होने वाली है। ऐसे में मोर्चा के कार्यकर्ताओं युवाओं से संपर्क साधने में जुटे हैं। वहीं भाजपा ने लोगों तक पहुंचने के लिए हर विधान सभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं को कम से कम 60 हजार लोगों से सीधे जुड़ने का लक्ष्य रखा है। योजना को आसानी से धरातल पर उतारा जा सके, इसके लिए मतदाताओं को छह वर्ग में विभाजित कर पार्टी से जोड़ने की खाका तैयार किया गया है। यह वर्ग हैं- युवा, महिला, एससी-एसटी, पिछड़ा, किसान और प्रबुद्ध वर्ग। इन वर्गों के 100-100 लोगों के साथ 100 चिन्हित स्थानों पर भाजपा के कार्यकर्ता बैठक करेंगे। ऐसे में समूचे विधान सभा क्षेत्र में एक वर्ग से 10 हजार लोगों को जोड़ने का लक्ष्य है। योजना के पूरा होने पर छह वर्ग के 60 हजार लोग भाजपा से जुड़ चुके होंगे। पार्टी का मानना है कि इन 60 हजार लोगों के जरिए 60 हजार परिवारों को आसानी से साधा जा सकेगा यानी जीत सुनिश्चित की जा सकेगी।

403 सीटों पर होना है मतदान

यूपी में 403 सीटों पर कुल सात चरणों में मतदान होगा। पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को होगा और इसकी शुरुआत पश्चिमी यूपी से होगी। वहीं, दूसरे चरण का मतदान 14 फरवरी, तीसरे चरण का मतदान 20 फरवरी, चौथे चरण का मतदान 23 फरवरी, 5वें चरण का मतदान 27 फरवरी, छठे चरण का मतदान 3 मार्च और 7 वें चरण का मतदान 7 मार्च को होगा। वोटों की गिनती 10 मार्च को होगी।

वर्चुअल जंग भी शुरू

भाजपा ने विधान सभा चुनाव को देखते हुए वर्चुअल जंग भी शुरू कर दी है। चुनाव आयोग द्वारा रैलियों और रोड शो पर प्रतिबंध लगने के बाद भाजपा न केवल वर्चुअल रैलियों बल्कि डोर-टू-डोर जाकर भी प्रचार अभियान चला रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बेकाबू होती सड़क हादसों की रफ्तार

राजधानी लखनऊ में कार की टक्कर से दो लोगों की मौत हो गयी जबकि बाराबंकी में एक बस हादसे का शिकार हो गयी। दुर्घटना के कारण बस में सवार दो यात्रियों की मौत हो गयी जबकि 26 घायल हो गए। एक ही दिन में हुई ये दो घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि प्रदेश में यातायात व्यवस्था कैसी है। सवाल यह है कि प्रदेश में सड़क हादसों का आंकड़ा बढ़ता क्यों जा रहा है? क्या जर्जर सड़कें, यातायात के नियमों का उल्लंघन और तेज रफ्तार के कारण हालात बदतर होते जा रहे हैं? क्या पूरी व्यवस्था ही भ्रष्टाचार और लापरवाही का शिकार हो चुकी है? क्या अप्रशिक्षित वाहन चालक लोगों की मौत का कारण बन रहे हैं? आखिर यातायात पुलिस क्या कर रही है? सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का असर क्यों नहीं दिख रहा है? कड़े कानूनी प्रावधान के बावजूद वाहन चालक नियमों का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद स्थितियों में सुधार क्यों नहीं हो रहा है? क्या नागरिकों के जीवन की सुरक्षा करना सरकार का दायित्व नहीं है?

सवाल यह है कि प्रदेश में सड़क हादसों का आंकड़ा बढ़ता क्यों जा रहा है? क्या जर्जर सड़कें, यातायात के नियमों का उल्लंघन और तेज रफ्तार के कारण हालात बदतर होते जा रहे हैं? क्या पूरी व्यवस्था ही भ्रष्टाचार और लापरवाही का शिकार हो चुकी है? क्या अप्रशिक्षित वाहन चालक लोगों की मौत का कारण बन रहे हैं? आखिर यातायात पुलिस क्या कर रही है?

उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों के कई कारण हैं। निर्धारित सीमा से अधिक रफ्तार पर वाहन चलाना और जर्जर सड़कें इसकी बड़ी वजहें हैं। प्रदेश के अधिकांश शहरों में सड़कें बेहद खराब हैं और उनमें बड़े-बड़े गड्ढे बन हुए हैं। सड़कों पर बने स्पीड ब्रेकर हादसों को रोकने की जगह इसके कारण बन रहे हैं। सड़कों के निर्माण में मानकों का पालन नहीं होता है। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि नयी बनी सड़क भी पहली बारिश में उखड़ जाती है। दूसरी ओर वाहन चालक यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हैं। वे सड़कों पर फर्राटा भरते हैं। लिहाजा वाहनों के अनियंत्रित होने का खतरा बना रहता है और हादसों की आशंका बनी रहती है। हाईवे व शहर के अधिकांश चौराहों पर यातायात पुलिस नदारद रहती है। कई स्थानों पर सिग्नल सिस्टम नहीं काम करता है। जहां काम करता है, वहां भी लोग सिग्नल को जंप करते नजर आते हैं। हैरानी की बात यह है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों का चालान काटने में भी घनघोर लापरवाही बरती जाती है। इसका परिणाम यह है कि लोग नियमों की जरा भी परवाह नहीं करते हैं। कई शहरों में आज भी दोपहिया वाहन चालक हेलमेट लगाने और कार चालक सीट बेल्ट लगाने से परहेज करते हैं। यह स्थिति तब है जब सुप्रीम कोर्ट सड़क हादसों में मरने वाले लोगों की संख्या पर अपनी चिंता जाहिर कर चुका है। जाहिर है यदि सरकार प्रदेश में हादसों को कम करना चाहती है तो उसे यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित करना होगा। साथ ही सड़कों और सिग्नल सिस्टम को भी दुरुस्त करना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विचारधारा से अधिक व्यक्ति का प्रभाव

प्रभु चावला

लोकतंत्र में सरकार वैचारिक संघर्षों के समाधान का उत्पाद होती है पर अब अधिकतर लोकतंत्रों में व्यक्ति ही विचारधारा हैं और मतदाता अक्सर उनके राजनीतिक विचारों को अनदेखा कर देते हैं। लखनऊ से लुधियाना तक चुनावी राज्यों में मतदाताओं को लुभाने के लिए नेताओं के बड़े-बड़े पोस्टर-बैनर लगे हैं। वहां कोई राजनीतिक मुहावरा नहीं है, केवल उम्मीदवारों की तस्वीरें हैं। यदि एक दल दलित नेता का प्रचार कर रहा है, तो दूसरा अपने उम्मीदवार के किसी वंश से न होने की दलील दे रहा है। बीते एक दशक में हर क्षेत्र ने नया स्थानीय इंदिरा, वाजपेयी या मोदी पैदा किया है, जो पार्टी का चेहरा भी है और ताकत भी। जो दल ऐसा नहीं कर पाते, वे पीछे रह जाते हैं। ममता बनर्जी, नवीन पटनायक, जगन मोहन रेड्डी, एमके स्टालिन और चंद्रशेखर राव जैसे गैर-गांधी व्यक्तित्वों का वर्चस्व ऐसे नेताओं के उदय को इंगित करता है। इसलिए आगामी विधान सभा चुनावों में पहली बार सभी दलों ने अपने मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित किये हैं।

कांग्रेस को भी राज्य और राष्ट्र के स्तर पर जीतने लायक चेहरे की जरूरत है। अभी तक दो राष्ट्रीय पार्टियां भविष्य के सारथी का नाम घोषित करने की पक्षधर नहीं थीं पर अब भाजपा ने अपने शासन वाले चार राज्यों में अपने उम्मीदवार लगभग घोषित कर दिए हैं। जहां उसने ऐसा नहीं किया है या दो अंकों में जीत की आशा नहीं है, वहां उसने विभिन्न घटकों से गठबंधन किया है ताकि केसरिया पताका लहराती रहे। अब सवाल यह नहीं है कि कौन पार्टी जीतेगी, बल्कि यह है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड और पंजाब जैसे छोटे राज्यों में शासन व नेतृत्व के प्रतीक चरणजीत चन्नी जैसे व्यक्तित्व हैं, जिन्हें कुछ समय पहले पंजाब का मुख्यमंत्री बनाया गया है और वे अमरिंदर सिंह और सुखबीर बादल जैसे वरिष्ठ नेताओं से दौड़ में आगे हैं। बादल इस चुनाव में पहली बार पूरी तरह से अकाली दल का नेतृत्व करेंगे। आप ने भगवंत मान को मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाया है। चन्नी और मान पंजाब की आकांक्षा के उभरते प्रतीक हैं, जो इस चुनाव में पीढ़ीगत और सामाजिक बदलाव देख सकता है। इस बार लगता है कि भाजपा और अकाली दल अपनी खास जगह नये व युवा चेहरों द्वारा संचालित पार्टियों को सौंप देंगे। मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने की मांग ने अधिकतर राज्यों में युवा नेतृत्व को बढ़ावा दिया है। आधे उम्मीदवार पचास साल से कम के हैं- उत्तर प्रदेश

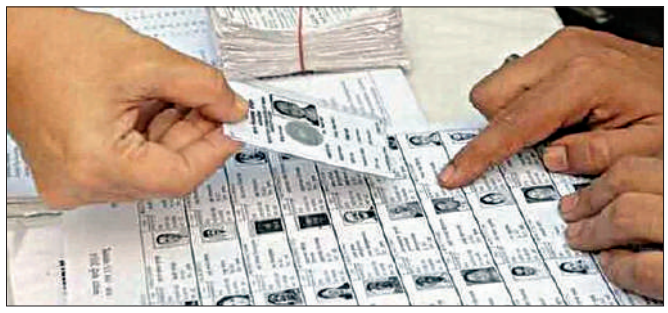

में अखिलेश यादव और योगी आदित्यनाथ, पंजाब में मान, गोवा में प्रमोद सावंत और अमित पालेकर तथा उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी। बुजुर्गों में पंजाब के अमरिंदर सिंह और मणिपुर के एन बीरेन सिंह शामिल हैं। 1966 में इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री बनने के साथ भारतीय चुनाव व्यक्तित्व आधारित हो गये। एक दशक तक उनके नाम पर या उनके खिलाफ वोट मांगे गये। उन्होंने अपने भरोसमंद लोगों को मुख्यमंत्री बनाया और अपनी मर्जी से उन्हें बदला। राजीव गांधी एवं सोनिया गांधी ने भी इसी नीति का अनुसरण किया और इस कारण अनेक क्षत्रप पार्टी से अलग हो गये। अस्सी के दशक के मध्य में दो-तिहाई से अधिक राज्यों में शासन करनेवाली पार्टी केवल तीन राज्यों तक सिमट गयी। वाजपेयी और आडवाणी ने भौगोलिक और सामाजिक आधार बढ़ाया तथा मोदी ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया। 2014 में इतिहास बनाने के बाद वे राज्यों को जीतते गये। 2018 तक 18 राज्यों में भाजपा एवं उसके सहयोगियों की सरकारें थीं। मोदी ने सरकार और पार्टी में युवाओं को अहम भूमिकाएं दीं, लेकिन अपार लोकप्रियता के बावजूद वे अरविंद केजरीवाल, नवीन पटनायक और लालू-नीतीश जोड़ी जैसे स्थानीय नेताओं को राज्य के चुनावों में हरा नहीं पाये। 2014 के बाद पहले चरण में तो भाजपा ने जीत हासिल की पर दूसरी बार हार का सिलसिला शुरू हो गया क्योंकि कांग्रेस व अन्य दलों के पास बेहतर नेता थे। भाजपा ने महाराष्ट्र और पंजाब में सत्ता गंवायी। वह कर्नाटक, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और राजस्थान नहीं जीत सकी तथा ममता बनर्जी को नहीं हरा सकी। असम हेमंता बिस्वा सरमा की क्षमता से भाजपा फिर सरकार बना सकी। मतदाता भी अब प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री में अंतर करने लगे हैं. उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में 2017 में मोदी कारक के कारण वोट मिला था। यूपी में योगी आदित्यनाथ के रूप में स्थानीय नेता हैं, जो ईमानदार और निर्णायक माने जाते हैं। प्रचार में मोदी के साथ उनका नाम लेकर भाजपा वोट खींचने की उनकी क्षमता का लाभ उठाना चाहती है। भाजपा के अस्तित्व के लिए इस राज्य में सरकार बनाना जरूरी है. यहां का झटका लोकसभा के लिहाज से न केवल मोदी के ताकत को कम करेगा, बल्कि भविष्य के केसरिया चेहरा होने की योगी की मुहिम को भी खत्म कर देगा।

वनक्षेत्र में वृद्धि सकारात्मक

सुधीर कुमार

हाल ही में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा 17वीं भारत वन स्थिति रिपोर्ट-2021 जारी की गयी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक देश में वन और पेड़ आच्छादित भू-भाग का दायरा पिछले दो वर्षों में 2,261 वर्ग किलोमीटर बढ़ा है। देश में वन अच्छादित भू-भाग 8,09,537 वर्ग किलोमीटर तक विस्तृत हो गया है। इससे पहले 2017 की तुलना में 2019 में जंगल एवं वृक्षों के आवरण में 5,188 वर्ग किलोमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गयी थी। तीव्र आर्थिक विकास के साथ-साथ देश में हरियाली का बढ़ता ग्राफ जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने तथा सतत पोषणीय विकास की अवधारणा को अपनाने की दिशा में भारत सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। हालांकि, राष्ट्रीय वन नीति के हिसाब से देश में पर्याप्त वनों का न होना अभी भी चिंता का विषय है। दरअसल, राष्ट्रीय वन नीति-1988 में देश के कुल 33 प्रतिशत भूभाग को वनाच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

नयी सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार अब देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र के 24.62 प्रतिशत भू-भाग पर वनों और वृक्षों का आवरण है। देश में वनों और वृक्षों की स्थिति का जायजा लेनेवाली यह रिपोर्ट वर्ष 1987 से हर दूसरे साल प्रकाशित की जाती है। पिछली बार यह रिपोर्ट 2019 में जारी की गयी थी। रिपोर्ट में जंगल और वृक्ष आवरण के साथ-साथ मैंग्रोव वन, आर्द्रभूमि, वनों में कुल कार्बन स्टॉक और जैव विविधता के संदर्भ में जानकारी दी जाती है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, कर्नाटक और झारखंड क्रमशः पांच ऐसे राज्य हैं, जो बीते दो वर्षों में हरियाली बढ़ाने में सबसे आगे रहे हैं। वहीं क्षेत्रफल के हिसाब से देश का सबसे बड़ा वन क्षेत्र मध्य प्रदेश में है। प्रतिशतता के हिसाब से सबसे आगे मिजोरम है, जहां के 84.53 फीसदी भूभाग पर वन है। देश के समुद्री तटों पर पाये जानेवाले मैंग्रोव वन का क्षेत्रफल भी पिछले दो साल में 17 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि के साथ कुल 4,992 वर्ग किलोमीटर हो गया है।

संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन दशक में दुनियाभर में एक अरब एकड़ में लगे जंगल नष्ट हो गये हैं। ऐसे में भारत में वन क्षेत्र बढ़ने की खबर उत्साहित करती है। ग्लासगो जलवायु सम्मेलन-2021 में जहां 100 से अधिक देशों ने 2030 तक वनों की कटाई पर पूर्ण पाबंदी लगाने का संकल्प लिया है, वहीं भारत ने 2030 तक अतिरिक्त ढाई अरब टन कार्बन उत्सर्जन के बराबर वन लगाने का लक्ष्य रखा है। देशभर में 200 शहरी वन क्षेत्र विकसित करने के लिए नगर वन योजना तथा घटते वन क्षेत्र का संरक्षण, पुनर्वनीकरण और वन क्षेत्र में वृद्धि के लिए राष्ट्रीय ग्रीन इंडिया मिशन संचालित हैं। जंगल सृष्टि के खूबसूरत सृजनों में से एक है। ये धरती के फेफड़े की तरह कार्य करते हैं और पर्यावरण से प्रदूषक गैसों जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, अमोनिया, सल्फर डाइ-ऑक्साइड तथा ओजोन को अपने अंदर समाहित कर वातावरण में प्राणवायु छोड़ते हैं। साथ ही जंगल वर्षा कराने, तापमान को नियंत्रित रखने, मृदा के कटाव को रोकने तथा जैव-विविधता को संरक्षित करने में भी सहायक हैं।

जंगलों से उपलब्ध होने वाले दर्जनों उपदानों का उपभोग हम सब किसी न किसी रूप में करते ही हैं। प्रकृति के निकट रहनेवाले कई समुदायों के लिए जंगल जीवन-रेखा की तरह है। हालांकि औद्योगीकरण और नगरीकरण की प्रकिया के साथ जंगलों के प्रति मानव दृष्टिकोण भी बड़ी तेजी से बदला है। आज प्राकृतिक जंगलों को उजाड़ कर वहां कंक्रीट के जंगल तैयार किये जा रहे हैं। प्रकृति के प्रति मानव की संवेदनशीलता मृतप्राय होती जा रही है, जिससे मानवजाति विभिन्न जलवायविक समस्याओं का सामना कर रही है। वास्तव में पर्यावरण संबंधी अधिकांश समस्याओं की जड़ वनोन्मूलन ही है। वैश्विक ऊष्मण, बाढ़, सूखे जैसी समस्याएं वनों के घटने के कारण ही उत्पन्न हुई हैं। इसका समाधान भी पौधारोपण में ही छिपा है। भारत में जन्मदिन के मौके पर लोगों से पौधे लगाने का आह्वान किया जाता रहा है, लेकिन शायद ही एक बड़ी आबादी इस पर जोर देती है अगर वास्तव में एक खुशहाल विश्व बनाना है, तो प्रकृति को सहेजने के लिए हम सभी को आगे आना होगा। जो जंगल शेष हैं, उनकी रक्षा करनी होगी। साथ ही पौधरोपण के लिए हरेक स्तर से प्रयास करने होंगे। आपदा प्रबंधन को लेकर भी आम नागरिकों को जागरूक करना होगा। प्राकृतिक संतुलन के लिए जंगलों को बचाना बेहद जरूरी है। पृथ्वी पर जीवन को खुशहाल बनाये रखने का एकमात्र उपाय जंगलों का संरक्षण है। पौधरोपण को प्रोत्साहित करने के मामले में हम फिलीपींस से सीख सकते हैं, जहां हरेक छात्र को अपने स्नातक की डिग्री पाने के लिए कम से कम 10 पौधे लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं चीन में बड़े पैमाने पर वनों के विनाश को देखते हुए प्रतिवर्ष 12 मार्च को नेशनल प्लांटिंग हॉलीडे के रूप में मनाया जाने लगा। इस मौके पर अधिकाधिक पौधे लगाने के प्रयास किये जाते हैं। फिलीपींस की तर्ज पर हरियाणा सरकार 12वीं के छात्रों को पौधे लगाने के एवज में अंतिम मूल्यांकन में 10 अतिरिक्त अंक देने की संभावनाओं पर विचार कर रही है। हरियाणा में पौधगिरी अभियान के तहत छात्रों को पौधों की देखभाल करने के लिए 50 रुपये दिये जाते हैं। बहरहाल, हमारा कम से कम एक पौधा लगाने का संकल्प भी पर्यावरण को नया जीवन दे सकता है। पौधे लगाना एक संस्कार की तरह होना चाहिए। यह सभी पीढ़ियों के लिए हितकारी साबित होगा।

सर्दियों में सेहत सम्बन्धी कई तरह की दिक्कतें होने लगती हैं और इन्हीं में से एक है जोड़ों में दर्द की दिक्कत। इससे निजात पाने के लिए लोग तरह-तरह की पेन किलर टेबलेट्स, ऑयल्स, स्प्रे और ट्यूब जैसी चीजों की मदद लेते रहते हैं। लेकिन ये सभी चीजें आपको कुछ समय के लिए ही राहत दे सकती हैं। इनका असर खत्म होते ही ज्वॉइंट पेन फिर से होने लगता है। अगर आप चाहते हैं कि जोड़ों में दर्द की ये दिक्कत सर्दियों में जोर न पकड़े तो आप कुछ घरेलू चीजों की मदद भी ले सकते हैं। आइये जानते हैं कि जोड़ों में दर्द की दिक्कत को दूर करने के लिए किन पांच चीजों की मदद ली जा सकती है।

ये पांच चीजें सर्दियों में देंगी जोड़ों के दर्द से छुटकारा

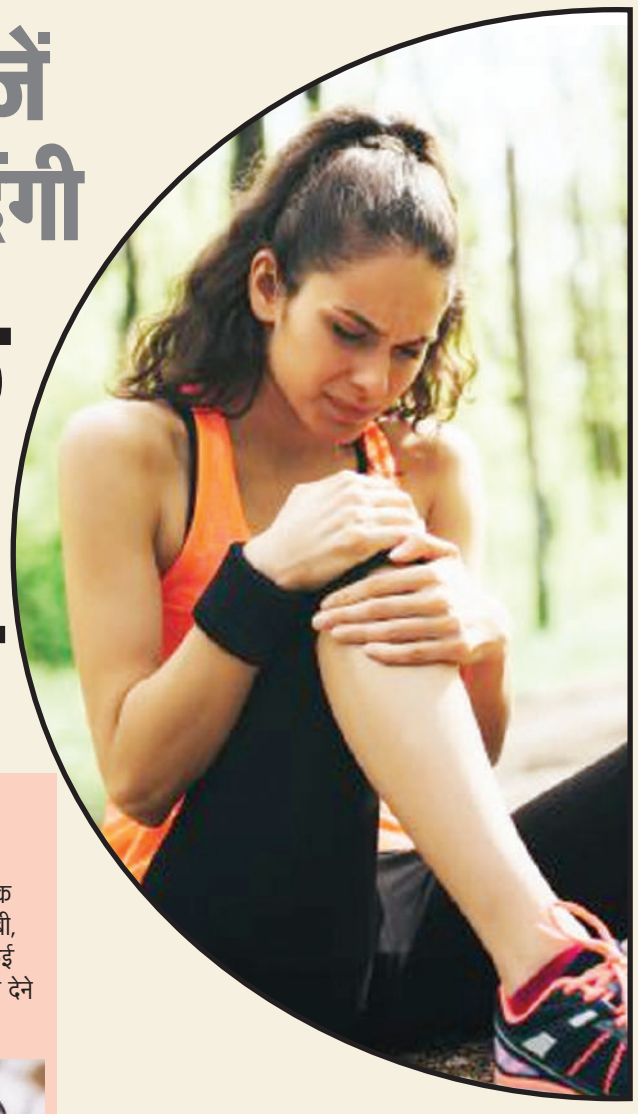

लहसुन

लहसुन आपको ज्वाइंट पेन से काफी हद तक राहत दे सकता है। लहसुन में विटामिन ए, बी, सी, आयरन और सल्फ्यूरिक एसिड जैसे कई पोषक तत्व होते हैं जो जोड़ों के दर्द से राहत देने में मदद करते हैं।

पनीर

पनीर का सेवन भी आप जोड़ों में दर्द से राहत पाने के लिए कर सकते हैं। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन्स और आयरन मौजूद होता है। जिनसे हड्डियों को भी मजबूती मिलती है साथ ही इम्यूनिटी भी स्ट्रांग होती है।

बादाम

बादाम को रोजाना अपनी डाइट में शामिल करने से आपको जोड़ों के दर्द में आराम मिलने लगेगा। इसमें मौजूद ओमेगा 3 फैटी एसिड सूजन और गठिया के लक्षणों को भी कम करने में मददगार होता है।

मेथी दाना

मेथी दाना भी आपको जोड़ों के दर्द से निजात देने में काफी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद कैल्शियम, आयरन, जिंक और विटामिन सी जैसे पोषक तत्व हड्डियों और जोड़ों में होने वाले दर्द से आराम देते हैं।

हल्दी दूध

हल्दी दूध भी जोड़ों के दर्द से आराम देने में काफी कारगर है। इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो आपको ज्वाइंट पेन के साथ ही बदन दर्द से भी राहत देने में मददगार साबित होते हैं।

हंसना मना है

एक व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्ति: बचाओ गणेश जी बचाओ.. गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्ति: आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जी: तू भी मेरे विसर्जन में बहुत नाचता है।

एक लड़का पार्क में पेड़ के पीछे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ खड़ा था, एक बुजुर्ग आदमी पास से गुजरा और बोला-बेटे क्या यह हमारी संस्कृति है? लड़का: नही अंकल, यह तो मल्होत्रा अंकल की टीना है, आप दूसरे पेड़ के पीछे चेक कीजिए शायद वहां हो।

लड़की: कितना प्यार करते हो मुझसे? लड़का: शाहजहां जैसा, लड़की: तो ताजमहल बनवाओ, लड़का: जमीन खरीद ली है, बस तुम्हारे मरने का इंतज़ार कर रहा।

सुरेश लड़की वालों के यहां रिश्ता लेकर पहुंचा, माँ-बाप बोले: हमारी बेटी अभी पढ़ रही है, सुरेश: कोई बात नहीं जी, हम एक-दो घंटे बाद आ जायेंगे।

उसकी आंखों में आंसू, चेहरे पर नमीं थी, सांसों मे आहे, दिल में बेबसी थी, पगली ने पहले नहीं बताया कि, दरवाजे में उसकी ऊँगली फंसी थी।

गर्लफ्रेंड: मेरी याद आती है तो तुम क्या करते हो? बॉयफ्रेंड: तुम्हारी पसंदीदा चॉकलेट खा लेता हूँ। और तुम क्या करती हो मेरी याद आये तब, गर्लफ्रेंड: मैं भी 'विमल' खा लेती हूँ।

कहानी — नन्दी विसाल

दान में प्राप्त बछड़े को एक ब्राह्मण ने बड़े ही ममत्व के साथ पाला-पोसा और उसका नाम नन्दी विसाल रखा। कुछ ही दिनों में वह बछड़ा एक बलिष्ठ बैल बन गया। नन्दी विसाल बलिष्ठ ही नहीं एक बुद्धिमान और स्वामिभक्त बैल था। उसने एक दिन ब्राह्मण के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा, हे ब्राह्मण ! आपने वर्षों मेरा पालन-पोषण किया है। आपने तन-मन और धन से मेरा उपकार किया है। मैं आपका ऋणी हूँ। अत- आपके उपकार के बदले में आपके प्रचुर धन-लाभ के लिए सहायता करना चाहता हूँ, और एक युक्ति सुझाता हूँ। चूँकि मेरे जैसे बलिष्ठ बैल इस संसार में अन्यत्र कहीं नहीं है, इसलिए हाट जाकर आप हजार स्वर्ण मुद्राओं की सट्टा लगाएँ कि आपका बैल सौ बड़ी-बड़ी गाड़ियों का बोझ इकट्ठा खींच सकता है। ब्राह्मण को वह युक्ति पसन्द आयी और बड़े साहूकारों के साथ उसने बाजी लगा ली। पूरी तैयारी के साथ जैसे ही नन्दी विसाल ने सौ भरी गा?यों को खींचने की भंगिमा बनाई, ब्राह्मण ने तभी नन्दी विसाल को गाली देते हुए कहा, दुष्ट ! खींच-खींच इन गाड़ियों को फटाफट। नन्दी को ब्राह्मण की भाषा पसन्द नहीं आई। वह रुष्ट होकर वहीं जमीन पर बैठ गया। फिर ब्राह्मण ने हजारों युक्तियाँ उसे उठाने के लिए लगाई । मगर वह टस से मस न हुआ। साहूकारों ने ब्राह्मण का अच्छा मजाक बनाया और उससे उसकी हजार स्वर्ण-मुद्राएँ भी ले गये। दु:ख और अपमान से प्रताड़ित वह हारा जुआरी अपने घर पर पड़ी एक खाट पर लेटकर विलाप करने लगा। तब नन्दीविसाल को उस ब्राह्मण पर दया आ गयी। वह उसके पास गया और पूछा, हे ब्राह्मण क्या मैं ने आपके घर पर कभी भी किसी चीज का कोई भी नुकसान कराया है या कोई दुष्टता या धृष्टता की है? ब्राह्मण ने जब नहीं में सिर हिलाया तो उसने पूछा, क्यों आपने मुझे सभी के सामने भरे बाजार में दुष्ट कह कर पुकारा था। ब्राह्मण को तब अपनी मूर्खता का ज्ञान हो गया। उसने बैल से क्षमा मांगी। तब नन्दी ने ब्राह्मण को दो हजार स्वर्ण-मुद्राओं का सट्टा लगाने को कहा। दूसरे दिन ब्राह्मण ने एक बार फिर भीड़ जुटाई और दो हजार स्वर्ण मुद्राओं के दांव के साथ नन्दीविसाल को बोझ से लदे सौ गाड़ियों को खींचने का आग्रह किया। बलिष्ठ नन्दीविसाल ने तब पलक झपकते ही उन सारी गाड़ियों को बड़ी आसानी से खींच कर दूर ले गया। ब्राह्मण ने तब दो हजार स्वर्ण मुद्राओं को सहज ही प्राप्त कर लिया।

5 अंतर खोजें

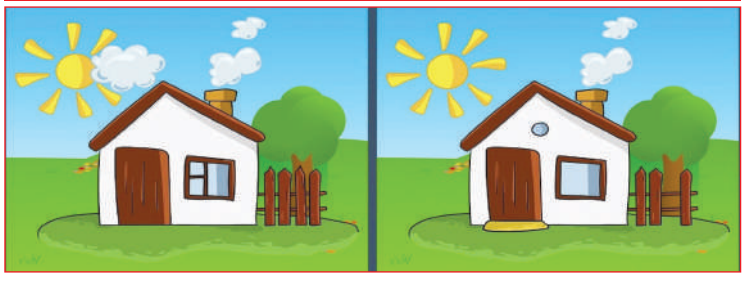

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है। दोस्ती प्यार में बदल सकती है। पति-पत्नी के रिश्ते में मजबूती आ सकती है। लव लाइफ से जुड़ा कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं।

वृषभ — प्रेमी का प्यार जीवन में उमंग भरेगा। कुछ जातकों की मुलाकात पुराने लवर से भी हो सकती है। स्कूल या कॉलेज के पुराने प्रेमी से मुलाकात रिश्तों में खुशी लाएगी।

मिथुन — सोच-समझकर कुछ बोले। अविवाहित लोगों की शादी तय हो सकती है। प्रेमी के साथ घूमने का प्लान बन सकता है। आज प्रेम संबंधों को सुधारने का प्रयास करें, आपको सफलता मिल सकती है।

कर्क — आज कोई स्पेशल खुशखबरी मिल सकती है। अचानक लव पार्टनर को नौकरी का ऑफर भी आ सकता है। अपने लवर के साथ डेट प्लान करेंगे। सोशल मीडिया पर अधिक समय गुजर सकता है। नए साथी से मुलाकात होगी।

सिंह — प्रेम संबंधों में किसी भी तरह का कोई बड़ा फैसला ना लें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। पार्टनर के साथ झगड़ा हो सकता है। पार्टनर के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं।

कन्या — आज आपका मन उलझन में है। लव रिलेशन को लेकर पोजिटिव रहें और शांत रहें। अपने साथी के साथ समय बिताएं और प्यारी प्यारी बातें करें। गिफ्ट या कैंडल लाइट डिनर मूड बेहतर करेगा।

तुला — पार्टनर के नजदीक आएंगे। आज आपकी लव लाइफ अच्छी रहेगी। एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर होने की संभावना है। पति-पत्नी में अपनी बात मनवाने को लेकर बहस या विवाद जैसी स्थिति भी बन सकती है।

वृश्चिक — आज का दिन रोमांटिक और खूबसूरत भरा है। पति-पत्नी की उलझने कम होंगी। हर वक्त पार्टनर आपके आस पास ही रहेगा। नये रिश्ते बनेंगे। घर की साफ सफाई रखें।

धनु — कोई अपोजिट जेंडर वाला व्यक्ति आपके करीब आ सकता है। पार्टनर से आपको खुशखबरी मिल सकती है। आज पति-पत्नी के बीच प्यार बना रहेगा। पार्टनर की सेहत का ख्याल रखें।

मकर — आज दिनभर आपके प्रेमी का रोना, रूठना और मनाना चलता रहेगा। गुलाब के फूल लवर के मूड को हल्का करेंगे। कुछ जातकों को सरकारी कार्य से फायदा मिल सकता है। काम में व्यस्त रहेंगे।

कुम्भ — पति-पत्नी के बीच आपसी सहयोग बना रहेगा। पार्टनर की भावनाओं को समझने की कोशिश करें। पार्टनर के साथ मनमुटाव हो सकता है। किसी खास इंसान से मुलाकात हो सकती है।

मीन — आज आपका मन खुश रहेगा। लव रिलेशन को लेकर आप संतुष्ट रहेंगे। ध्यान रखें कि अहंकार में कोई कड़वी बात मुंह से न निकले और उतेजना कन्ट्रोल में रखें। आज आपके नए मित्र बनेंगे।

बधाई दो : फिर अनोखी कहानी लेकर आए राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर

राजकुमार राव एक बार फिर से दर्शकों के सामने एक अनोखा कॉन्सेप्ट लेकर पेश हो रहे हैं। इस बार उन्हें भूमि पेडनेकर का साथ मिला है, जो अपने अलग किरदारों से पहले ही लोगों को हैरान कर चुकी हैं। पिछले काफी समय से ये दोनों अपनी अगली फिल्म बधाई दो को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अब इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। फिल्म में राजकुमार को एक पुलिस अधिकारी के किरदार में देखा जा रहा है। वहीं भूमि एक पीटी टीचर की भूमिका निभा रही हैं, उनका परिवार हमेशा उनकी शादी के पीछे पड़ा रहता है। लेकिन भूमि एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हैं, जिसे लड़कों में कोई दिलचस्पी ही नहीं है, बल्कि वह एक लेस्बियन है। दूसरी ओर राजकुमार उनसे शादी के लिए पीछे पड़े हुए दिख रहे हैं।

पुलिस ऑफिसर बने राजकुमार के समझाने पर भूमि उनसे शादी कर लेती हैं। अब इस अनोखे कॉन्सेप्ट को भरपूर कॉमेडी के साथ दर्शकों के बीच पेश किया जा रहा है। 3 मिनट 5 सेकंड के इस ट्रेलर में राजकुमार और भूमि दोनों ही काफी अलग अंदाज में दिख रहे हैं। अब इस ट्रेलर ने फिल्म के लिए काफी उत्सुकता बढ़ा दी है। बता दें कि बधाई दो 2018 में रिलीज हुई आयुष्मान खुराना और सान्या मल्होत्रा की फिल्म बधाई हो का सीक्वल है। लेकिन इन दोनों ही फिल्मों की कहानी एक दूसरे से बिल्कुल अलग है।

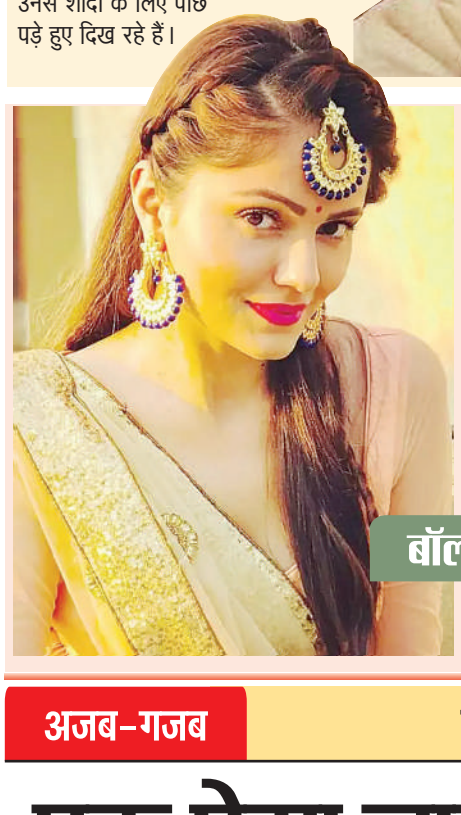

बॉलीवुड | मसाला

रुबीना दिलैक के लहंगे ने ढाया कहर

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस और बिग बॉस 14 की विनर रुबीना दिलैक पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों का हिस्सा बनी हुई हैं। इस विवादित रियलिटी शो को जीतने के बाद से ही अभिनेत्री किसी न किसी कारण लाइमलाइट में हैं। इसके अलवा रुबीना को इंडस्ट्री में उनकी बेहतरीन अदाकारी के लिए जाना जाता है। हालांकि एक्ट्रेस अपने प्रोजेक्ट के अलावा अपने लुक्स को लेकर सुर्खियां बटोरती हैं। अब एक बार फिर से रुबीना ने अपना नया लुक फैंस के साथ शेयर किया है, जिसमें वह काफी अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टा पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह पर्पल लहंगे में नजर आ रही हैं और बेहद प्यारी दिख रही हैं। उनकी ये अदाएं वाकई कमाल की हैं। रुबीना ने इस लुक को ऑरेंज चुन्नी के साथ पेयर किया है। उनकी दिलकश अदाएं फैंस को होश उड़ाने के लिए काफी हैं। अपने इस ट्रेडिशनल लुक को कंप्लीट करने के लिए रुबीना ने लाइट मेकअप किया हुआ है। ज्वेलरी के नाम पर एक्ट्रेस ने सिर्फ कानों में सिल्वर कलर के झुमके पहने हुए हैं। यहां उन्होंने बालों की साइड चोटी बनाई हुई है, जो उनके एस स्टाइल पर चार चांद लगा रही है। रुबीना ने कैप्शन में लिखा, अराजकता के बीच, एक मुस्कान के साथ जो आपकों विश्वास दिलाएगी कि सब कुछ ठीक है।

बॉलीवुड | मन की बात

पागल कहने पर धर्मेंद्र ने ट्रोलर्स को दिया सादगी से जवाब

धर्मेंद्र काफी समय से हिंदी सिनेमा से जुड़े हैं। कई सालों से वह अपने दर्शकों का मनोरंजन करने से बिलकुल भी पीछे नहीं रहते हैं। धर्मेंद्र बॉलीवुड के वो सितारे जो आज के समय में कदम से कदम मिलाकर चलते हैं। फिर चाहे वह आज की पीढ़ी की तरह ही सोशल मीडिया पर एक्टिव होना हो, या फिर बड़े ही प्यार से ट्रोल्स को हैंडल करना। हाल ही में कुछ ऐसा हुआ, जहां सोशल मीडिया पर एक ट्रोल ने धर्मेंद्र को ट्रोल करना चाहा, लेकिन धर्मेंद्र ने ट्रोल की बात का जवाब ऐसा दिया, जिसकी सोशल मीडिया पर खूब तारीफ हो रही है। दरअसल धर्मेंद्र ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर 23 जनवरी को इंडिया गेट पर बनने वाली नेताजी सुभाष चंद्र बोस की ग्रेनाइट की प्रतिमा की प्रस्तावित तस्वीर साझा की थी। इस तस्वीर को अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट करने के साथ ही धर्मेंद्र ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा मैं नेता जी को सलाम करता हूं। जिंदगी है कौम की तू कौम पर लुटाए जा। अपनी पोस्ट में धर्मेंद्र ने आगे लिखा आपकी खुद पर आस्था और विश्वास ने आपकी जिंदगी बदल दी। उनकी इस पोस्ट पर कई सारे फैन्स ने कमेंट किए और अपने विचार साझा किए। इस बीच एक फैन ने धर्मेंद्र को ट्रोल करने की कोशिश की। यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, आप पागल तो नहीं हो गए हैं ना? जिसका जवाब पहले तो धर्मेंद्र के एक फैन ने दिया और ट्रोल को जवाब देते हुए लिखा, फेक आईडी, धर्मेंद्र साहब की इज्जत कर। ट्रोल के उस ट्वीट को देखने के बाद खुद धर्मेंद्र ने भी बड़ी ही सादगी से ट्रोल को जवाब दिया। धर्मेंद्र ने बचाव कर रहे अपने फैन को लिखा, छोड़ो कोई बात नहीं अंशुमन, पागलपन से ही जिंदगी में इंकलाब आता है।

अजब-गजब | जिसे पकड़ न सकीं सुरक्षा एजेंसियां

एक ऐसा जासूस, जो दुश्मन देश में जाकर बनने वाला था रक्षामंत्री

दुनिया भर में कुई जासूसी एजेंसियां हैं और इज़राइल की जासूसी एजेंसी मोसाद को बाकियों की तुलना में काफी बेहतर माना जाता है और मोसाद के कई एजेंट हैं लेकिन शायद ही कोई भी एली कोहेन जैसा बना सकता हो। एली कोहेन एक ऐसे एजेंट थे जिनके कारण ही इज़राइल गोलन हाईट जीतने में सफल हुआ था, इतना ही नहीं एली कोहेन एक समय सीरीया के उप रक्षा मंत्री तक बनने वाले थे लेकिन फिर उनका राज खुल गया और वो उन्हें फांसी की सजा दे दी गई। एलीयाहू (एली) कोहेन का जन्म मिस्र के एलेग्जेंड्रिया में एक यहूदी परिवार में 1924 में हुआ था। एली कोहेन के पिता साल 1914 में ही सीरिया के एलेप्पो से आकर मिस्र में बस गए थे।

एली कोहेन जब वयस्क थे तब वो मिस्र के भीतर मिस्र के अन्य यहूदियों की गुप्त रूप से सहायता करने के में काम कर रहे थे। जब साल 1948 में इजरायल बना तो मिस्र के कई यहूदी परिवार वहां से निकलने लगे और इजरायल जाकर बसने लगे। एली कोहेन का परिवार भी इजरायल चला गया लेकिन वो वहीं

रूक गए। उन्होंने अपनी इलेक्ट्रॉनिक्स की पढ़ाई पूरी की। एली कोहेन अरबी, अंग्रेजी और फ्रांसीसी भाषा पर अच्छी पकड़ रखते थे और इसके कारण ही वो इजराइली खुफिया विभाग की नजर में आए। एली कोहेन ने शुरूआत में मिस्त्र में इजराइली खुफिया विभाग के लिए काम किया लेकिन साल 1954 में मिस्त्र में इसका भांडा फोड़ हुआ और सरकार ने इसको डिसमेंटल किया। एली कोहेन 1956 के स्वेज संकट के बाद इजरायल आए थे, वो इजरायल की सैन्य खुफिया जानकारी में स्वेच्छा से जाने के लिए शामिल हुए लेकिन उन्हें नहीं लिया गया। हालांकि, साल 1960 में जब सीरिया के साथ एक इजरायल के रिश्ते तेजी से बिगड़े और सीमा पर तनाव बढ़ता चला गया इज़राइली खुफिया ने कोहेन की भर्ती की और उन्हें 6 महीने तक उन्हें ट्रेन किया गया इसके बाद उन्हें कामिन अमीन ताबेत का नया नाम देकर अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में सीरियाई प्रवासी समुदाय के बीच भेज दिया गया। दक्षिण अमेरिका में, कोहेन एक धनी व्यापारी के रूप में गए थे। वह सीरिया के समुदाय के कई प्रभावशाली सदस्यों के साथ दोस्ती करने में सफल रहे और इसके बाद वो 1962 में दमिश्क में जाकर बस गए. दमिश्क में कोहेन हाई प्रोफाइल जीवन जीने लगे और वो अपने घरों पर पार्टिया देने लगे जिसमें सीरियाई सेना के कई बड़े अधिकारी भाग लेते थे और इस दौरान वो उनसे जानकारियां जुटाते थे और वो कई माध्यमों से इजरायल की खुफिया एजेंसियों को यह जानकारी उपलब्ध कराते थ।

94 बार चुनाव हार चुका है यह शख्स, इस बार दो सीट से लड़ने जा रहा विधायकी

आपने बहुत सारे ऐसे नेताओं के बारे में सुना होगा, जो चुनाव जीतकर दर्जनों बार विधायक और सांसद बने हैं। कुछ नेताओं ने चुनाव जीतने का रिकॉर्ड भी बनाया है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे नेता के बारे में बताने जा रहे हैं, जो चुनाव हारने का रिकॉर्ड बना रहे हैं। आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि ये नेताजी अब तक 94 बार चुनाव हार चुके हैं, लेकिन फिर भी थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। हसनूराम अंबेडकरी नाम के ये नेता जी इस बार यूपी की दो सीटों से विधानसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। फिलहाल इन्होंने अपने जीवन में जितने भी चुनाव लड़े हैं, एक में भी इन्हें जीत नसीब नहीं हुई है। हसनूराम इस समय नर्वस नाइंटीज पर बैटिंग कर रहे हैं और अगर ऐसा ही चलता रहा तो वह जल्द ही चुनाव हारने का शतक बना सकते हैं। हसनूराम अंबेडकरी आगरा के खेरागढ़ कस्बे के नगला दूल्हा गांव के रहने वाली हैं। उन्होंने अब तक 94 बार चुनाव लड़ा है। साल 1985 से 2022 तक इन्होंने हर छोटे-बड़े चुनाव में हिस्सा लिया है। हालांकि आज तक इन्हें किसी पार्टी ने टिकट नहीं दिया और यह हर बार निर्दलीय ही चुनाव लड़ते आ रहे हैं। शक्रवार से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण की नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई है। इसी दिन 75 साल के हसनूराम आगरा कलेक्ट्रेट में नामांकन फॉर्म लेने पहुंचे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साल 1985 में हसनूराम एक पार्टी से टिकट मांगने पहुंचे थे, जहां पर उनका उपहास करके यह बात कही गई थी कि उन्हें एक भी वोट नहीं मिलेगा। यह बात उनके मन को घर कर गई। इसके बाद हसनूराम ने चुनाव लड़ने को अपना जुनून बना लिया। इस बार के विधानसभा चुनाव में हसनूराम ने दो सीटों से पर्चा भरा है। उनकी चाहत है कि वह अपने जीवन में 100 चुनाव लड़ें।

काका जोगिंदर सिंह के नाम दर्ज है रिकॉर्ड

बता दें कि बरेली के काका जोगिंदर सिंह ने भारतीय चुनाव के इतिहास में छोटे-बड़े 300 चुनाव लड़े थे। वह सभी में हारने के लिए ही मैदान में उतरते थे। उन्होंने वार्ड पार्षद से लेकर देश के राष्ट्रपति तक का चुनाव लड़ा था। उनको धरती पकड़ की उपाधि मिली हुई थी।

सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा से गूंजा आसमान

गणतंत्र दिवस के मौके पर राज्यपाल और सीएम ने फहराया तिरंगा

शौर्य, प्रगति और लोक कलाओं का दिखा अनूठा संगम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान भवन के सामने बुधवार को 73वें गणतंत्र दिवस पर शौर्य, प्रगति और लोक कलाओं का अनूठा संगम दिखा। गुलाबी ठंड के बीच राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ विधान भवन में भारतीय ध्वज फहराया।

लेफ्टिनेंट कर्नल सिद्दन्ना मुन्नौली के नेतृत्व में परेड में युद्धक टैंक टी 90 भीष्म, नायब सूबेदार उत्तम कुमार के नेतृत्व में 105/37 एम एम लाइट फील्ड गन दस्ता, सूबेदार श्रवण कुमार के नेतृत्व में इगला मिसाइल सिस्टम दस्ता, नेटवर्क आपरेशन सेंटर वाहन समेत एक-एक कर निकलते वाहन दस्तों ने दर्शक दीर्घा में उपस्थित लोगों को रोमांचित कर दिया। वैभव कटारिया के नेतृत्व में 9वीं कुमाऊं रेजीमेंट की पैदल टुकड़ी और कुलदीप चंद्र के नेतृत्व में आईटीबीपी के जवानों की टुकड़ी के प्रदर्शन पर लोग तालियां बजाते नजर आए। पैदल टुकड़ियों में सिक्ख लाइट इंफेंट्री रेजीमेंट, 11 जी आर आरसी मिलिट्री ब्रांस बैंड, गोरखा राइफल पुरुष टुकड़ी समेत अन्य पैदल टुकड़ियों ने रोमांच को दोगुना कर दिया। पहली बार परेड में जुड़ी महिला होमगार्ड की टुकड़ी और फायर बिग्रेड की मेरी वेदर लंदन मॉडल आकर्षण का केंद्र रहीं। दर्शक दीर्घा भारत माता के जयघोष से गूंज उठा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में महाराष्ट्र के दिंडी लोकनृत्य पर कलाकारों ने जैसे ही नृत्यांगना को अपने कंधों पर खड़ाकर दौड़ लगाई, दर्शक दीर्घा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी। सीएमएस कानपुर रोड शाखा दल द्वारा भारत का टीकाकरण थीम पर नृत्य प्रस्तुति ने कोविड वैक्सीनेशन का संदेश दिया। गणतंत्र दिवस के मौके पर सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा के उद्घोष पूरा आसमान गूंज उठा।

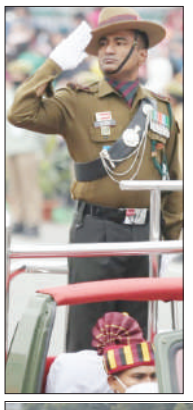

झांकियों ने मोहा मन

निर्वाचन आयोग, सीएमएस की वसुधैव कुटुम्बकम, सेंट जोसेफ की रक्षा संपदा थीम झांकी, यूपी परिवहन झांकी समेत अन्य झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया।

फोटो: सुमित कुमार

सपा संरक्षक मुलायम सिंह और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश ने फहराया तिरंगा

गणतंत्र दिवस के मौके पर सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव व राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तिरंगा फहराया और लोगों को शुभकामनाएं दीं।

मतदाता दिवस पर मतदान का दिलाया संकल्प

» पूर्व वायुसेना अफसर तूलिका रानी ने वोट देने को किया प्रेरित

» महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में संगोष्ठी आयोजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर पूर्व भारतीय वायुसेना अफसर और माउंट एवरेस्ट पर्वतारोही तूलिका रानी ने लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया।

क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी प्रो. अलोक कुमार श्रीवास्तव व महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. सुमन गुप्ता के नेतृत्व में मंगलवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सरिता सिंह एवं डॉ. मधुमिता गुप्ता द्वारा ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मुख्य वक्ता स्वीप आइकॉन (उ.प्र.) मृदु राम गोयल (दिव्यांग, चेयरपर्सन-HANDICARE तथा स्वीप एम्बेसडर (उ.प्र.) स्क्वाड्रन लीडर तूलिका रानी (पूर्व भारतीय वायु सेना अफसर व माउंट एवेरेस्ट पर्वतारोही) ने छात्र-छात्राओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। स्वीप एम्बेसडर स्क्वाड्रन लीडर तूलिका रानी ने कहा कि किसी भी देश की नींव उसके जागरूक एवं कर्मठ युवाओं द्वारा रखी जाती है। हम सभी को अपने मतदान के कर्तव्य का पालन करते हुए पूर्ण मतदान की ओर अग्रसर होने का प्रयत्न करना चाहिए।

पंजाब कांग्रेस में कलह जारी, अब डिप्टी सीएम रंधावा ने खुद को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की उठायी मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» हाईकमान से चन्नी को सीएम चेहरा घोषित करने को कहा, सिद्धू को अलग-थलग करने की हो रही कोशिश

चंडीगढ़। पंजाब में चुनावी बयार के बीच भी सत्ताधारी कांग्रेस में कलह जारी है। ओहदे और विभिन्न मुद्दों को लेकर नवजोत सिंह सिद्धू और मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच खींचतान खत्म नहीं हो रही थी कि अब उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने हाईकमान से नयी मांग कर दी है। उन्होंने सिद्धू की जगह खुद को पंजाब प्रदेश कांग्रेस का प्रधान बनाने की मांग करने के साथ चन्नी को अगला सीएम चेहरा घोषित किए जाने की मांग उठायी।

पंजाब कांग्रेस में बीते पूरे साल चले कलह के माहौल में नवजोत सिद्धू का साथ देते रहे रंधावा ने मांग के साथ न सिर्फ सिद्धू की मुखालफत की है बल्कि उनकी कुर्सी पर पहली बार किसी सीनियर नेता ने खुले तौर पर दावा ठोका है। चन्नी को अगला मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग उठाने से सिद्धू को झटका लगा है क्योंकि चन्नी को सीएम चेहरा बनाने को लेकर अब तक कोई भी सीनियर नेता खुलकर समर्थन में आगे नहीं आया था। यहां तक कि पार्टी मामलों के प्रभारी हरीश चौधरी भी इस मुद्दे पर खुलकर कुछ भी कहने से बचते रहे हैं। रंधावा के नए तेवरों को लेकर माना जा रहा है कि पार्टी में सिद्धू को अलग-थलग करने की मुहिम शुरू की जा रही है।

प्रकाश सिंह बादल भी उतरे चुनाव मैदान में

» लम्बी विधान सभा सीट से अकाली दल के प्रत्याशी घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चड़ीगढ़। शिरोमणी अकाली दल और बहुजन समाज पार्टी ने पंजाब के लम्बी हलके से अकाली पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को अपना प्रत्याशी बनाया है। इसका ऐलान उनके राजनीतिक सचिव मेजर भुपिन्द्र सिंह ने किया।

उन्होंने कहा कि बादल को लोग सुपर सीएम के तौर पर देखना चाहते हैं। हम श्री सुखमनी साहिब का पाठ कराके गुरू महाराज की ओट लेकर प्रकाश सिंह बादल के कार्यालय का उद्घाटन करने जा रहे हैं। निवासियों की तरफ से जोर देकर उनको मनाया गया है। 94 साल की उम्र में उनको पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़कर भारी बहुमत के साथ जिताना है।

बीजेपी की मुसीबत बनेगी बेरोजगारी, महंगाई और कोरोना!

» 2017 की तर्ज पर इस बार भी भाजपा खेलेगी जातियों का ट्रंपकार्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का चुनाव पार्टियों से ज्यादा सामुदायिक समूहों में सिमटता जा रहा है लेकिन इस प्रकार की गोलबंदी का सियासी परिणाम क्या रंग लाएगा, ये तो दस मार्च को पता चलेगा। महंगाई, कोरोना और बेरोजगारी के मुद्दे भाजपा के लिए मुसीबत बन सकते हैं। ये बातें निकलकर सामने आई वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ला, हरजिंदर सिंह, उमाकांत लखेड़ा, सीपी राय, प्रो. लक्ष्मण यादव, प्रो. रविकांत और वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक कुमार के साथ लंबी परिचर्चा में।

प्रो. रविकांत ने कहा, भाजपा ने दलितों पर काम किया है। करीब 59 जाति है। मायावती ने जहां छोड़ा, वहां विस्तार नहीं किया। भाजपा ने उन जातियों का फायदा उठाया और बीते सालों में अपने पाले में शामिल किया, मगर इस बार लोगों में नाराजगी है। प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा जाति के समीकरण पर टिकट दिया जाता है। शीर्ष नेतृत्व अभी यही कर रहा है। 2017 के चुनाव में बीजेपी ने जातियों को गोलबंद कर हिंदुत्व पर फोकस रखा और इसका 2017 में फायदा मिला। मगर इस बार परिणाम अलग दिखेगा। उमाकांत लखेड़ा ने कहा बीजेपी जब सत्ता से बाहर थी तो सभी का साथ छूटा लेकिन जब मोदी का कार्यकाल हुआ, तब जातियों की बेड़िया टूटी और एससी, ओबीसी सभी जातियां बीजेपी के पाले में आ गयी। इसका फायदा भी मिला। उसी कार्ड को इस चुनाव में भी बीजेपी खेलेगी। हरजिंद सिंह ने कहा इस बार समीकरण पलट रहा है। बेरोजगारी, महंगाई और कोरोना की मार को लेकर लोगों में गुस्सा है, ऐसे में बीजेपी के खिलाफ गोलबंदी बहुत बड़ी हो गई है।

सीपी राय ने कहा बीजेपी हिंदुत्व के मुद्दे पर आगे बढ़ी, 91 के चुनाव में इसका फायदा भी मिला। मगर अब परिस्थितियां बदल गई है। 10 मार्च के बाद परिणाम खुद बताएगा कि बीजेपी का खेल कैसा रहा। अजय शुक्ला ने कहा महीने भर बाद चुनाव है तो ये कहना जल्दबाजी होगी कि जातियों का समीकरण किस कदर बिगड़ेगा। जातियां जिसकी भी सरकार बनाएगी, बहुमत से बनेगी।

प्रदेश में बनवाएं सपा की सरकार : मुलायम

अखिलेश यादव बोले- ये युवाओं के भविष्य का चुनाव है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने कहा कि सभी लोग मिलकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाइए। समाजवादी सरकार आप सब को सभी सुविधाएं देगी और समस्याओं का समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि नौजवानों में बहुत जोश और उत्साह है। हम सभी को देश की रक्षा और सम्मान के लिए हर त्याग को तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी लोग जो हमारे ऊपर विश्वास करते हैं, हम उनके विश्वास को बनाए रखेंगे।

पार्टी कार्यालय में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आज हमें संकल्प लेना है कि हमें लोकतंत्र और बाबा साहब के संविधान को बचाना है। जो लोग सत्ता में बैठे हैं। वह नकारात्मक सोच के लोग हैं। समाज को लड़ाना चाहते हैं। हम सभी समाजवादी लोगों को इनसे मुकाबला करना है। अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी (मुलायम सिंह यादव) इन नकारात्मक सोच के लोगों का लगातार मुकाबला करते रहे। भाजपा को ऐसे समय में हराया, जिस समय कोई सोच नहीं सकता था कि भाजपा हारेगी। नेताजी समाज के दबे, कुचले और शोषित लोगों को साथ लेकर आए

थे। कांशीराम को साथ लाकर देश की राजनीति को नई दिशा देने का काम किया था। इससे पहले भी समाजवादी और अंबेडकरवादी लोग साथ आना चाहते थे। जो लोग जानते हैं, उन्हें पता है कि डॉ राम मनोहर लोहिया और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर दोनों साथ मिलकर काम करना चाहते थे और समाज को आगे बढ़ाना चाहते थे। उन्होंने कहा धरने पर बैठे 700 किसान शहीद हुए, तब काले कानून वापस हुए। एक तरफ किसानों को अपने हक और सम्मान की लड़ाई लड़नी पड़ रही है, वहीं किसान और गांव का बेटा देश की सीमा पर रक्षा कर रहा है। सीमाओं पर रक्षा में सबसे ज्यादा गांव और किसान के बेटे हैं। लेकिन भाजपा की सरकार में उसी किसान के साथ क्या क्या नहीं हुआ। सड़क पर कीलें लगा दी गईं। आरसीसी की दीवार बना दी गई। डीजल नहीं दिया गया और आंदोलन में 700 किसान शहीद हुए। इस अपमान और अन्याय को किसान कभी नहीं भूल सकता है। अखिलेश यादव ने कहा कि सत्ता में वही लोग बैठे हैं, जिनके बेटों ने किसानों को कुचल दिया। उनकी हत्या कर दी। अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी चुनाव को किसान, नौजवान, विकास, महंगाई और बेरोजगारी से हटाकर दूसरी दिशा में ले जाना चाहती है लेकिन अभी तक प्रदेश की जनता और समाजवादी लोग उनके जाल में नहीं फंसे। वाट्सएप और सोशल मीडिया पर भाजपा क्या-क्या फैला रही है, इसे सभी लोग देख रहे हैं।

दरियाबाद सीट से चुनाव लड़ेंगे अरविंद सिंह गोप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की कोशिश में जुटी सपा ने विधानसभा चुनाव के लिए तीन और प्रत्याशियों की घोषणा की है। समाजवादी पार्टी ने तीन प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इसमें कुर्सी विधानसभा से राकेश कुमार वर्मा, दरियाबाद से अरविंद सिंह गोप, रामनगर से मो. फरीद महफूज किदवई को टिकट दिया गया है। बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री बेनी प्रसाद वर्मा के पुत्र व पूर्व मंत्री राकेश कुमार वर्मा मसौली से विधायक रह चुके हैं। वहीं अरविंद सिंह गोप दो बार हैदरगढ़ व एक बार रामनगर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। सपा के नए दांव से विपक्षी भी सकते में हैं और नई रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इसके अलावा इधर बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने विधानसभा चुनाव के लिए छह और प्रत्याशियों की घोषणा की है। इस लिस्ट में पहले से घोषित कुछ उम्मीदवारों के टिकट में परिवर्तन किया गया है। इससे पहले उन्होंने 51 प्रत्याशियों की घोषणा की थी। अब तक वह 119 प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी हैं।

इस देश को आज भाईचारे की सबसे ज्यादा जरूरत : तृप्ति सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गणतंत्र दिवस समारोह में बोलते हुए देश की ख्याति प्राप्त एथलीट तृप्ति सिंह ने कहा कि भारत दुनिया में अपना नाम रोशन कर रहा है। इस दौर में देश को और मजबूत करने के लिये भाईचारे की सबसे ज्यादा जरूरत है।

सरस्वती अपार्टमेंट में आयोजित कार्यक्रम में ध्वजारोहण करने के बाद मुख्य अतिथि तृप्ति सिंह ने कहा कि आजादी के इतने सालों बाद भी आज हम उस दौर की याद करते है तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं कि किस तरह हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश के

लिए बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि इन शहीदों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम इस देश को और मजबूत करें और आपसी भाईचारा मजबूत करे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष जेपी शुक्ला ने कहा पहले राष्ट्र और फिर कुछ और, इसी भावना को ध्यान में रखकर हमको अपने जीवन को आगे बढ़ाना चाहिए। सोसाइटी के सचिव शेखर सिंह ने कहा कि हम सभी लोग आज इस बात का संकल्प लें कि हम अपने आसपास के माहौल को ऐसा बनाये कि देश को और मजबूती मिले और इसके लिए सबसे जरूरी है कि ऐसे किसी भी शख्स को बढ़ावा ना दे जो समाज में नफरत को बढ़ावा दे। कार्यक्रम में ध्वजारोहण के बाद बच्चों ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सोसाइटी का अध्यक्ष प्रेरणा मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भारत में बढ़ रही असहिष्णुता : अंसारी

» अमेरिकी संस्था के कार्यक्रम में स्वरा भास्कर भी हुईं शरीक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

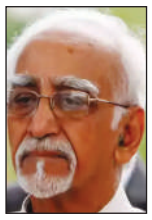

लखनऊ। पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने कल एक अमेरिकी संस्था के वर्चुअल कार्यक्रम में आरोप लगाया कि देश में असहिष्णुता बढ़ रही है। इस कार्यक्रम में अभिनेत्री स्वरा भास्कर भी शामिल हुई थीं। अंसारी ने इस संस्था के मंच से केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि भारत में नागरिक राष्ट्रवाद को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से बदलने की कोशिशें हो रही हैं। अंसारी ने कहा कि धार्मिक बहुमत को राजनीतिक एकाधिकार के रूप में पेश करके धर्म के आधार पर असहिष्णुता को बढ़ावा दिया जा रहा है। हामिद अंसारी के साथ इस कार्यक्रम में अमेरिका के चार सांसद मौजूद थे। उनके अलावा अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के प्रमुख ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम का विषय था भारत के बहुलतावादी संविधान का संरक्षण। इसमें अंसारी एवं अन्य ने देश के अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों, गैर कानूनी गतिविधि निवारक कानून के दुरुपयोग और कश्मीरी कार्यकर्ता खुर्रम परवेज की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया गया।

बीजेपी के लोग सपा से टिकट दिलाने की मुझसे कर रहे मांग : राजभर

» बीजेपी को हराने वाले सभी सपा में आ गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के चीफ ओम प्रकाश राजभर ने एक बार फिर दावा किया है कि बीजेपी के कई मंत्री उनके संपर्क में हैं। राजभर ने कहा, बीजेपी के कई मंत्री मेरे संपर्क में हैं और कह रहे हैं कि सपा में मेरी सीट करा दीजिए, तो पार्टी में आ जाएंगे। राजभर ने कहा काफी विधायक मेरे संपर्क में हैं, उनकी गिनती भी नहीं करा सकते।

राजभर ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, बीजेपी चुनाव के समय धर्म का चश्मा पहनती है और नफरत की राजनीति करती है। मंदिर मस्जिद की बात करते हैं और भारत पाकिस्तान की बात करते हैं। राजभर ने कहा, हमारे देश के पीएम मोदी

पाकिस्तान जाते हैं, वहां के नेता नवाज शरीफ की मां के पैर पकड़ते हैं, उन्हें शॉल भेंट करते हैं, उनकी चाय पीते हैं, लालकृष्ण आडवाणी जिन्ना की कब्र पर चादर चढ़ाने गए थे। ओमप्रकाश राजभर वाराणसी की शिवपुर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं और उसी सीट से यूपी मंत्री अनिल राजभर भी चुनावी मैदान में आ रहे हैं। इस पर राजभर ने कहा, कोई कंपटीशन नहीं है। लोडर और लीडर में अंतर होता है। लोडर अपने मालिक का जूता साफ करता है। लीडर अपने हक के लिए चुनाव लड़ता है। बीजेपी जातीय जनगणना देने से भाग रही है। हम जातीय जनगणना की बात कर रहे हैं।

कानूनगो व लेखपाल का घूस लेते वीडियो वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज जिले के कोरांव तहसील के खीरी इलाके में किसान से कानूनगो व लेखपाल जमीन पैमाइश के नाम पर घूस ले रहे हैं, इसका वीडियो भी वायरल है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कानूनगो व लेखपाल जमीन पैमाइश के नाम पर किसान से रुपए लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल प्रशासन मामले की जांच में जुटा है।

दरअसल, ग्राम खीरी तहसील कोरांव निवासी किसान विनय कुमार कुशवाहा की खीरी इलाके में भूमिधरी जमीन है। विनय ने लगभग एक माह पूर्व उक्त जमीन की पैमाइश के लिए उसने कानूनगो अमित पाठक व हल्का लेखपाल विजय बहादुर सिंह से आराजी संख्या 821 व 824 की पैमाइश व सीमांकन करने के लिये अब तक चार हजार रुपए दे चुका है। लेखपाल ने कहा कि 5 हजार रुपए कानूनगो साहब को दो फिर पैमाइश करूंगा। पूरा पैसा नहीं दोगे तो तुम्हारी जमीन की पैमाइश नहीं करूंगा। किसान ने इस दौरान पूरी बातचीत व पैसे देने का वीडियो बना लिया। किसान ने डीएम से कानूनगो व लेखपाल के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।